प्रारम्भिक संबोधन

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा के इस ग्यारहवें सत्र में आपका स्वागत है । इसमें कुल ग्यारह बैठकें होंगी । चूंकि यह बजट सत्र है, इसलिए इसमें बजट को पारित करना सदन का महत्वपूर्ण कार्य है । इस सत्र में सरकार का सदन के प्रति विश्वासमत प्राप्त किए जाने पर विचार होगा । साथ ही सदन के अध्यक्ष के प्रति अविश्वास के संकल्प पर विचार होगा । इसके अलावा वर्ष का प्रथम·सत्र होने की स्थिति में महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण भी होगा ।

माननीय सदस्यगण, यह संसदीय व्यवस्था की खूबसूरती है कि यहाँ हर तरह के गंभीर विषय आपसी विचार विमर्श से सुलझाए जाते हैं ।

मेरा आप सबों से आग्रह है कि इस पूरे सत्र में आप अपनी उपस्थिति बनाए रखें और राज्य की जनता के हितों के लिए अपने दायित्वों का निर्वह्न करें ।

❄❄❄❄❄

अध्यक्षीय सम्बोधन

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अध्यक्ष के इस आसन पर मैं लगभग डेढ़ वर्षों तक रहा । आप लोगों ने सर्वसम्मति से मुझे इस आसन पर बिठाया था । मैं इसके लिए पूर्व में रहे माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उपमुख्यमंत्री एवं मंत्रीपरिषद के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ । मैं जिस दल से आता हूँ उसके नेता आदरणीय लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ । साथ ही मैं सदन के सभी दलों के नेता एवं माननीय सदस्यों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ ।

अपने इस अल्प समय में मैंने माननीय सदस्यों के हितों का हमेशा संरक्षण किया और यह प्रयास किया कि माननीय सदस्य चाहे वह किसी भी दल के हों, उन्हें विधान सभा में कोई असुविधा न हो । माननीय सदस्यों को अपने क्षेत्र एवं जिलों के प्रखंड एवं समाहरणालय में बैठने का कोई स्थान नहीं है । पूर्व में सदन में लिए गए निर्णय का मैंने त्वरित कार्यान्वयन हेतु सरकार से आग्रह भी किया है । सरकार माननीय सदस्यों की मर्यादा और उनके प्रोटोकॉल के प्रति तो प्रतिबद्ध रहती ही है । मैं चाहूँगा कि सरकार इसे और गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करे ।

मैंने आसन पर बतौर अध्यक्ष रहते हुए भारतीय संविधान, विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली में निहित नियम एवं प्रावधान तथा संसदीय परंपराओं के अनुरूप ही सदन का संचालन करने में अपनी भूमिका निभाई है । राजनीति तो आंकड़ों का खेल है ।